

जिला आयूर्वेद आयोजन करुचि 'जिला हेलथ ट्रिक'



कुबनेश्वर, १०/०८ (न्यू.ए.): वाम्पुरात चिन्ता प्रेरणेबेळे आम पालां अग्राधकार बिषय फोड़ती, एवं एसमयरे बिश्वर अन्यतम अग्रणी आयूर्वेद चिकित्सा अनुष्ठान जिला आयूर्वेद देशवायापी एक मागाणा वाम्पुरामर्श अभियान आयोजन करुचित चित अग्रणी ग्रृह १८ पर्यंत देशवायापी एहार थृवा ८०८० अधूक कूनिकरे आयोजन करायारथ्या एहि कार्यक्रम दारा ४०,००० रु अधूक लोक उपचृत हेवा आशा करायारचित चिन्तन दक्षिण अधूक एसमयर अर्जुन थृवा जिला आयूर्वेदर बिशेषज्ञानाने मूलष्टररु कारण जिलिका आधारित, ब्यक्तिगत चिकित्सा योगाजना सहित खाद्य घारणा एवं जिलानेत्रीला योजना संपर्करे मार्गदर्शन उपरे दृष्टिकोन नकुलत्तित यसी जिले बाबू एहि चिकित्साकू गृहण करती, तेवेजे जिला आयूर्वेदर अर्जुन डाक्तरमानक दारा मागाणारे वाम्पुरामर्श योगार दिआयीबत एहि परामर्श चिनिमाप एसमय पालां बेध रहित रथ्यापति मन्त्रु, रथ्यापति, घाम्पु, आयूर्वेद रा एवं आर अनेक जिलार वाम्पुरामर्श उपचृत कूठिकरे १८ पर्यंत रिहाति मूल्यरे उपलक्ष हेबत एवं एसमय अपरिवर्त अपरिवर्त भिन्निकरे राबरे प्रवर्तना एसमयरे आम एसमयक पालां गत चिकित्सा अत्युत करुचित रहेलपति अनेक लोक कोरित्तु रुपु छात्र फोड़ती, किन्तु शास्त्रप्रश्नामर्शरे एसमया, बिभिन्न अंगारे दुर्बलता, हजम जनित एसमया, मानसिक राप, अवसाद, निम्पु रोग प्रतिरोध शक्ति एवं वाम्पुरामर्श और शक्ति अराब इलिं कोरित्त प्रवर्तना प्रवर्तना कूठिकर सहित मुकाबिला करुचित जिले कोरित्तरु आरोग्य लाभ करिबार ७-८ मास परे मध्ये कोरित्त

प्रवर्तना प्रवर्तन अनुरब करिपारिबेट मूल्यविकाश, केश झुटिबा, बान्ति लागिबा, कप, शरार बिशा एवं छाति धउधउ तेबा आदि केतेक एसमयरे परिलक्षित हेवरथ्या लक्षण अग्रेत आयूर्वेद मूलष्टररु एहित्तु एसमयागृहितकर चिकित्सा करिपारिबेट जिला आयूर्वेद ग्रृह १८ अग्रणी पर्यंत 'जिला हेलथ ट्रिक' आयोजन करुचित आपणकू आपणकर निकटतमा जिला कूनिक गृह नक्ति आमर बिशेषज्ञ आयूर्वेद डाक्तरमानक निकटरु मागाणा वाम्पुरामर्श पालिकाकू आमनेता करायारचित आयूर्वेदर उपयोग करि एवं देविक योग अभाय अधूकांश एसमया एसमाधान दिगरे एसमय जिलीपारिक एवं एक सुपु जिलानेत्रीला बजाय रेखपारिबेट निरापद रुहुतु एवं सुपु रुहुतु त्रोली जिला आयूर्वेदर तारारेकंठरु त्रोलीप गोहान कहिलत्तित आयूर्वेद बिश्वर अन्यतम प्राचान पूर्णाङ्ग चिकित्सा प्रवर्ति एवं एहा भारतरे १००० बर्षेरु अधूक एसमय पूर्वे बिकृत होइत्थलाट आयूर्वेद मूल उत्तरु कार्यां करिथाए एवं दार्यकालान आश्वस्त्रि प्रवानकरेत जिलार ४००८० अधूक प्रमाणिकूत आयूर्वेद डाक्तर प्रतिदिन ८००८० रु अधूक रोगाल्कू परामर्श देलथाप्ति एवं आकि पर्यंत १४ लक्ष रोगाल्कू रपनतार एहित चिकित्सा करित्तित एक बिध्यु ब्यवस्था एवं तथ्य आधारित रोग निरूपण करिबा एवं एहार रोगाल्कू चिकित्सा योगालदेबारे जिला आयूर्वेद एक अग्रणी स्थान नेलआयूर्वेद १८ दिन अवधूर जिला हेलथ ट्रिक जनसाधारणकू एसमानक वाम्पुरामर्श एसमया र शुद्ध आयूर्वेद चिकित्सा पालिका निम्पने एसमूक जरिब, कारण जिला प्रतेयकक पालां ब्यक्तिकेन्द्रिक चिकित्सा एहित प्रकृत आयूर्वेद प्रवर्तनाकू एसमर्शी कराऊच्छि।

बीमारियों का जड से इलाज करने के लिए जीवा आयूर्वेद आयोजित करने जा रहा है जीवा हेलथ ट्रीक जहां पाए निःशुल्क परामर्श

एक प्रयोग विषय है जिसे नीति द्वारा अप्रूप अवृद्ध उपचार संस्कारन में से एक, 'जीवा आयूर्वेद', देश भर में स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर नियुक्त प्रयोग देता है। देश भर में ६ अप्रूप से १८ अप्रूप तक जीवा आयूर्वेद के ८० से जाति विविध प्रयोगों देते हैं जो योगदाता है। इस अप्रूपन से ५०,००० से जाति लोगों को लापा मिलने वाली उम्मीद है। अप्रूप उपचार करते हैं तो आपको जीवा आयूर्वेद के अनुसारी डाक्तर द्वारा स्वास्थ्य संबंधी नियुक्त प्रयोग दिया जाता है। एक नियुक्त प्रयोग सुखावासी तीन महीने की अवधि तक बढ़ाव होता। इसके साथ ही, बर्मीक पर कुछ जीव वेच और वेल्विंग प्रोट्रेट जैसे शहर, चक्कराला, ब्लूम, आयूर्वेद चाप और अन्य चीजों पर १८ प्रतित तक की रुट भी मिलती है। इसके अलावा, अप्रूप के एक विस्तर के लाभ में, अप्रूप महीने के उपचार पैक पर ५० प्रतित की रुट मिलती है। जीवा अप्रूप के डाक्तर, डॉ. प्रापा चौहान ने कहा

फोटो: Jiva 19 की दुसरी लहर के बाद, बिहार काढ महीने हम सभी के द्वारा बहुत मुश्किल भर रहे हैं। कौलिंड महामारी की चपटे में अप्रूप कई लोगों तो गूर्हे हो गए हैं, लेकिन रक्तमय से गूर्हे होने के बाद भी वह पूरी तरह स्वास्थ्य नहीं हो पाता है। दरअसल, संस्कारन में लोगों के बाद उत्तर साल लेने में कठिनाई, जल्दी के विषेष और में कमजोरी, चापन की समस्या, मानसिक तनाव, डिप्रेशन, प्रतिशोध क्षमता में कमी के साथ ही तापन और जल्दी में कमी जैसे दुष्प्रभावों का सामना करना पड़ता है।

